

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, रविंद्र, डफी, कानवे और ब्लंडेल की वापसी

वेलिंगटन

भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में जैकब डफी, रचिन रविंद्र, डेवोन कानवे और टाम ब्लंडेल की वापसी हुई है।

रविंद्र, कानवे, और ब्लंडेल चोट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। रचिन रविंद्र को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया था, जिसके कारण वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहे। वहीं, डेवोन कानवे शुरुआती वनडे से पहले लगी चोट के बाद उससे उबर रहे थे, जबकि टाम ब्लंडेल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान थे।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट सीरीज हराने वाली न्यूजीलैंड टीम से बेन सीयर्स, जैक फाल्क्स और विल ओरूर्क को बाहर रखा गया है। सीयर्स टखने और फाल्क्स कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि ओरूर्क वापसी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के बीच में ही संन्यास ले लिया था। टाम लैथम की कप्तानी वाली टीम में जैकब डफी की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के नए बल्लेबाजी कोच बीएल वाटलिंग के कार्यकाल की भी शुरुआत होगी। वह 16 नवंबर से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, यह सीरीज ब्लैककैप्स के लिए टेस्ट क्रिकेट के एक रोमांचक घरेलू सत्र की शुरुआत है। टीम लगभग वही है, जिसने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में मुकाबला किया था। ऐसे में दोबारा एक साथ खेलने और घरेलू मैदान पर उस सफलता को दोहराने की कोशिश करना अच्छा रहेगा।

उन्होंने कहा, मार्च तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले जाने हैं, इसलिए टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए मुकाबलों की कोई कमी नहीं होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक दांव पर होंगे, लेकिन हमारा ध्यान भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर रहेगा। न्यूजीलैंड की टीम फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड दिसंबर-जनवरी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम: टाम लैथम (कप्तान), टाम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कानवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

स्टार्क ने ख्वाजा के दावों को गलत करार दिया, खिलाड़ियों में तल्खी बढ़ी



सिडनी। पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा सैंडपेपरगेट (गेंद से छेड़छाड़) विवाद के मामले में किये दावों को लेकर अलग-थलग पड़ते जा रहे है। एक के बाद कई दिग्गज क्रिकेटरों ने ख्वाजा के दावों को गलत बताया है। ख्वाजा ने अपनी एक किताब में कहा था कि सभी को इस मामले की जानकारी थी पर तीन खिलाड़ियों को बलि का बकरा बना दिया गय था। वहीं अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है ख्वाजा अपनी किताब की बिक्री के लिए आधारहीन बातें का रहे है। इसी कड़ी में पूर्व बल्लेबाज डेरेन लेहमान के बाद अब तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें ख्वाजा ने कहा था कि 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपरगेट विवाद के बारे में पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। स्टार्क ने कहा है कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए अपने संयुक्त बयान पर बरकरार हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी थी। स्टार्क ने ख्वाजा के इन दावों पर ज्यादा ध्यान न देने की बात कही, लेकिन स्पष्ट किया कि समय के साथ उनकी राय में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं।

प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन के कारण कोच कैरिक को हटा सकता है मैनचेस्टर यूनाइटेड

लंदन। प्रीमियर लीग फुटबाल में मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबाल क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम



के मुख्य कोच माइकल कैरिक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। क्लब प्रबंधन प्रीमियर लीग में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके विकल्प की तलाश में है, जिसने टीम रेलीगेशन जोन में आ गयी है लगातार खराब परिणामों के चलते कैरिक के कार्यकाल पर सवाल उठने लगे है। पिछले सप्ताहांत एस्टन विला के साथ 4-4 के ड्रा के बाद, मैनचेस्टर 18वें स्थान पर खिसक गया है, जो सबसे निचले क्लब क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक ऊपर है। यह स्थिति पिछले नाटिंघम फारेस्ट द्वारा मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 की जीत के बाद और भी गंभीर हो गई, जिसने यूनाइटेड को सीधे रेलीगेशन के खतरे में डाल दिया। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के अनुसार कोच को हटाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है पर कहा जा रहा है कि संकेत मिलने लगे हैं। वहीं इस मामले की एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित प्रतिस्थापन पर काम शुरू हो चुका है और लिवरपूल के खिलाफ 13 दिनों में होने वाले अहम मुकाबले से पहले ही बदलाव किया जा सकता है। कैरिक के भविष्य पर अंतिम फैसला क्लब के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ और बहुमत के मालिक ग्लेजर परिवार की मंजूरी के बाद ही होगा।

पांड्या को ट्रेड , बोल्ट को रिलीज कर सकती है मुंबई इंडियंस : चोपड़ा

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) के



2027 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की टीम में संभावित बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके तहत ही आलराउंडर हार्दिक पांड्या का ट्रेड किया जा सकता है। पांड्या की कप्तानी में पिछले दो सत्रों में टीम को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके साथ ही उनका निजी योगदान भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। उन्होंने साथ ही पिछले सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को टीम से रिलीज करने के मुंबई इंडियंस के निर्णय का भी समर्थन किया। चोपड़ा ने कहा कि मुंबई इंडियंस के पास अनुभव और आक्रामक खेल का शानदार मिश्रण है, जिससे उनकी टीम काफी संतुलित दिखती है। उनके मुताबिक, अगर पिछला आईपीएल सीजन टीम की अपेक्षाओं के अनुरूप होता, तो शायद उन्हें किसी बड़े बदलाव की जरूरत महसूस नहीं होती। हालांकि, उन्होंने पांड्या के संभावित ट्रेड को एक महत्वपूर्ण कारक बताया, जो खिलाड़ियों को रिटेन या रिलीज करने संबंधी टीम के फैसलों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है। चोपड़ा ने कहा, अगर पिछले सीजन में सब कुछ योजना के मुताबिक होता, तो टीम को देखकर यही लगता कि बदलाव की क्या जरूरत है उनके पास संतुलन, अनुभव और आक्रामक खिलाड़ी हैं। तो फिर बदलाव क्यों शायद उन्हें एक-दो भारतीय स्पिनर या तेज गेंदबाज की जरूरत होती, जिसे वे आसानी से ढूँढ लेते। पर अभी सबसे ज्यादा चर्चा पांड्या के ट्रेड की हो रही है। उन्होंने संकेत दिया कि हार्दिक जैसे दुर्लभ खिलाड़ी के बदले में मुंबई इंडियंस को शायद दो अन्य उपयोगी खिलाड़ी मिल सकते हैं, जिससे टीम की गहराई और बढ़ सकती है।

लास एंजिलिस ओलंपिक 2028 : एथलेटिक्स में लागू होगी दोहरी क्वालिफिकेशन प्रणाली

नई दिल्ली

लास एंजिलिस में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए एथलेटिक्स की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया का ऐलान कर दिया गया है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एथलेटिक्स स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की एंट्री के लिए दोहरी क्वालिफिकेशन प्रणाली को मंजूरी दी है। इसके तहत ओलंपिक में उपलब्ध कुल कोटा स्थानों में से 40 प्रतिशत जगहें एंट्री स्टैंडर्ड हासिल करने वाले एथलीटों को मिलेंगी, जबकि शेष 60 प्रतिशत स्थान वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल की ओर से मंजूर इस व्यवस्था में क्वालिफिकेशन के मानकों, समय-सीमा और अलग-अलग स्पर्धाओं के कोटा स्थानों का विवरण जारी किया गया है। ओलंपिक 2028 में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं 15 से 30 जुलाई 2028 तक आयोजित होंगी।



एथलेटिक्स में होंगे 48 इवेंट्स, मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले की होगी शुरुआत

लास एंजिलिस ओलंपिक के एथलेटिक्स कार्यक्रम में कुल 48 स्पर्धाएं शामिल होंगी। इनमें पुरुषों के 23, महिलाओं के 23 और दो मिक्स्ड इवेंट्स होंगे। इस बार ओलंपिक में मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले को भी शामिल किया जाएगा। यह स्पर्धा पहले से मौजूद मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले के साथ एथलेटिक्स कार्यक्रम का हिस्सा बनेगी।

एंट्री स्टैंडर्ड हासिल करना ही ओलंपिक टिकट की गारंटी नहीं

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित एंट्री स्टैंडर्ड हासिल कर लेने भर से किसी एथलीट का ओलंपिक में स्थान पक्का नहीं होगा। यदि किसी स्पर्धा में तय मानक पूरा करने वाले खिलाड़ियों की संख्या उपलब्ध कोटा स्थानों से अधिक होती है, तो क्वालिफिकेशन अवधि के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को ही प्राथमिकता मिलेगी। ऐसी स्थिति में वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर अतिरिक्त खिलाड़ियों को उस स्पर्धा में जगह नहीं दी जाएगी। यानी खिलाड़ियों को ओलंपिक में जगह बनाने के लिए निर्धारित मानक के साथ-साथ अन्य दावेदारों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी करना होगा।

अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए तय की गई क्वालिफिकेशन अवधि

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए क्वालिफिकेशन विंडो निर्धारित की है। इसका विवरण इस प्रकार है:

मैराथन: 1 नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2028 तक।

10,000 मीटर, कंबाइंड इवेंट्स, रेस वाक और रिले: 19 दिसंबर 2026 से 18 जून 2028 तक।

अन्य सभी ट्रैक और फील्ड इवेंट्स: 19 जून 2027 से 18 जून 2028 तक।

100 और 200 मीटर के लिए कड़े क्वालिफाइंग मानक

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने ट्रैक स्पर्धाओं के लिए भी एंट्री स्टैंडर्ड जारी कर दिए हैं। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए 9.93 सेकंड का समय निर्धारित किया गया है, जबकि महिलाओं की 100 मीटर दौड़ के लिए 10.96 सेकंड का मानक रखा गया है। इसी तरह पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के लिए 19.95 सेकंड और महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के लिए 22.25 सेकंड का समय तय किया गया है। मैराथन में पुरुष एथलीटों को 2 घंटे 5 मिनट और महिलाओं को 2 घंटे 22 मिनट 20 सेकंड का समय हासिल करना होगा।

मैराथन और रेस वाक में इन प्रतियोगिताओं से भी मिलेगा टिकट

मैराथन स्पर्धा के लिए 19 मार्च 2028 तक की क्वालिफिकेशन सूची में शीर्ष 56 स्थान हासिल करने वाले एथलीटों को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई माना जाएगा। इसके अलावा 9 अप्रैल 2028 को चीन में आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स रेस वाकिंग टीम चैंपियनशिप में हाफ मैराथन और रेस वाकिंग स्पर्धाओं में शीर्ष 12 स्थान हासिल करने वाले एथलीटों को भी सीधे ओलंपिक क्वालिफिकेशन मिलेगा।

रिले टीमों को क्वालीफाई करने के मिलेंगे दो मौके

रिले स्पर्धाओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। 22 और 23 अप्रैल 2028 को बहामास में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले प्रतियोगिता के जरिए शीर्ष 14 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां (एनओसी) लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए अपना स्थान पक्का करेंगी। इस प्रतियोगिता में टीमों को क्वालीफाई करने के दो मौके दिए जाएंगे। यदि कोई टीम पहले दिन सफल नहीं हो पाती है, तो उसके पास दूसरे दिन भी ओलंपिक टिकट हासिल करने का अवसर रहेगा।

सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्ले अब मुंबई क्रिकेट संग्रहालय में होंगे प्रदर्शित

मुंबई

भारतीय क्रिकेट की विरासत को सहेजने और खेल के इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने करियर के कुछ सबसे खास बल्ले और यादगार वस्तुएं मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 100 शतक लगाए थे। इन सभी वस्तुओं को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस विशेष संग्रह का अनावरण 16 नवंबर 2026 को एक समारोह में होगा।

यह तारीख सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के 13 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। उन्होंने 16 नवंबर 2013 को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। इस अवसर पर संग्रहालय में पहली बार अपनी तरह की एक विशेष प्रदर्शनी बैटोग्राफी शुरू की जाएगी। इसमें तेंदुलकर के करियर के 26 बल्लों के साथ उनसे जुड़ी कई महत्वपूर्ण यादगार वस्तुएं प्रदर्शित होंगी। बैटोग्राफी नाम जीवनी की अवधारणा से प्रेरित है। इसके माध्यम से मास्टर ब्लास्टर के क्रिकेट सफर को उन बल्लों की कहानी के जरिये प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनके करियर के ऐतिहासिक और यादगार पलों के साक्षी रहे हैं। प्रत्येक बल्ला उनके शानदार करियर के एक खास अध्याय को दर्शाएगा। इससे क्रिकेट प्रेमियों को उनके रिकार्ड और उपलब्धियों के पीछे की कहानी को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

इस पहल पर मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा,



'बैटोग्राफी' के जरिये दिखेगा मास्टर ब्लास्टर का क्रिकेट सफर, 16 नवंबर को होगा अनावरण

सचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके बनाए रिकार्ड से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों की यादों में रचा-बसा है और ये बल्ले उस सफर की सबसे व्यक्तिगत धरोहरों में शामिल हैं। बैटोग्राफी के माध्यम से हम एमसीए संग्रहालय में एक अनूठा आयाम जोड़ रहे हैं। इससे आगंतुक उन उपलब्धियों के पीछे की कहानी को उन्हीं साधनों के जरिये अनुभव कर सकेंगे, जिनसे वे उपलब्धियां हासिल की गईं। हम सचिन के आभारी हैं कि उन्होंने अपनी इन बेशकीमती धरोहरों को एमसीए के साथ साझा करने का निर्णय लिया। इससे यह असाधारण विरासत आने वाली पीढ़ियों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी सुलभ बनी रहेगी।

बल्लों के अलावा सचिन के करियर के महत्वपूर्ण अवसरों और उपलब्धियों से जुड़ी कई अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। इनमें हेलमेट, जर्सी, नोट्स सहित अन्य संग्रहणीय वस्तुएं शामिल हैं। संग्रहालय में इसके लिए एक विशेष स्थान तैयार किया गया है, जो तेंदुलकर के असाधारण क्रिकेट सफर को समर्पित होगा। इस प्रदर्शनी के जरिये प्रशंसक उनके करियर के ऐतिहासिक पलों, उपलब्धियों और यादों को फिर से करीब से देख सकेंगे।

हरियाणा के मैदानों जैसे लगते हैं न्यूजीलैंड के मैदान : अंशुल कंबोज



हैम्लटन। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज न्यूजीलैंड के अपने पहले ही दौरे में खासे सफल रहे है। उन्हें खेलना मेजबान बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा है। अंशुल ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि न्यूजीलैंड के हालात हरियाणा के मैदानों से मेल खाते हैं। यहां का ठंडा मौसम वैसा ही लगता है जैसे की वह हरियाणा में सर्दियों में अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हों। इस क्रिकेटर ने 13 साल की उम्र से ही लाहली में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। आकलैंड के ईडन पार्क और वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व की उछाल भरी पिचों पर पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अंशुल का सामना कीवी बल्लेबाज कर नहीं पाये। उन्होंने पहले बदलाव के रूप में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को अपनी सटीक लाइन और लेंथ से खूब परेशान किया। कंबोज ने पहले मैच में 22 रन देकर दो और दूसरे मैच में 25 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जो उनकी गेंदबाजी की धार को दिखाते हैं। कंबोज ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था।

पाकिस्तान ने अगले डब्ल्यूटीसी चक्र पर ध्यान देने युवाओं को शामिल किया: बाबर

चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत, यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। टेस्ट प्रारूप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। यहां तक कि टीम मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो चुकी है। ऐसे में अब पाक टीम ने भविष्य की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के कप्तान बाबर आजम ने भी माना है कि डब्ल्यूटीसी चक्र में पाक की टीम काफी पीछे है और उसे केवल एक जीत मिली है। इससे वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। इससे उसकी फाइनल की उम्मीदें लगभग पूरी तरह से समप्त हो गयी हैं।



इसी को देखते हुए पाक टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिससे अगले चक्र के लिए एक मजबूत टेस्ट इकाई तैयार की जा सके। बाबर ने साफ कर दिया है कि टीम का ध्यान अब पूरी तरह से अगले डब्ल्यूटीसी चक्र पर केंद्रित है। इसी को देखते हुए श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज शुरू की गयी है। उन्होंने बताया कि घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आधे दर्जन से अधिक नए और युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह दी गई है। टीम प्रबंधन भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है, ताकि आने वाले समय में एक संतुलित और प्रभावी टेस्ट टीम का निर्माण किया जा सके। कप्तान ने जोर देकर कहा, पाकिस्तान इस साल डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है। इसलिए अब टीम का ध्यान अगले चक्र पर है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पुरानी बातों पर चर्चा करने के बजाय उनसे महत्वपूर्ण सबक लेने का समय है, ताकि उन गलतियों को दोहराया न जा सके। नए खिलाड़ियों को यह समझाया जाएगा कि टीम किस तरह का आक्रामक, सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना चाहती है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच एक मजबूत तालमेल बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और टीम को अगले स्तर तक ले जाने का पूरा अवसर मिल सके। इस नई रणनीति के तहत, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन एक मजबूत नींव रखने और आने वाले वर्षों के लिए एक स्थिर और सफल टेस्ट इकाई बनाने की उम्मीद कर रहा है। इसका अर्थ केवल जीतना नहीं है, बल्कि देश और विदेश दोनों जगह लगातार अच्छा प्रदर्शन करना, दबाव में बेहतर निर्णय लेना और खेल के तीनों विभागों में परिपक्वता दिखाना है। यह परिवर्तन केवल खिलाड़ियों को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खेल के प्रति मानसिकता और दृष्टिकोण में एक मौलिक बदलाव भी शामिल है। अगले कुछ महीनों में टीम का प्रदर्शन यह तय करेगा कि क्या यह नई दिशा पाकिस्तान क्रिकेट को टेस्ट प्रारूप में उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा वापस दिलाने में सफल होगी।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स: लिंडा नोस्कोवा ने कोको गाफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

इंडियन वेल्स

विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गाफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गाफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गाफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।

उन्होंने कहा, कोको के खिलाफ आखिरी अंक तक खेलना होता है, क्योंकि वह अपनी सर्विस और संघर्ष करने की क्षमता से किसी भी समय वापसी कर सकती हैं। मुझे लगा कि मैंने उन पर दबाव बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया।

नोस्कोवा ने अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में यूक्रेन की कोस्त्युक को भी हराया था।

पेगुला ने कोस्त्युक को हराकर उम्मीदें रखीं कायम

दूसरी ओर, अमेरिका की जेसिका



पेगुला ने उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में कोस्त्युक को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार के साथ कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी के लिए कोको गाफ और पेगुला के बीच मुकाबला होगा।

पेगुला को अपने शुरुआती मुकाबले में गाफ के हाथों हार मिली थी। लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कोस्त्युक को मात दी।

जीत के बाद पेगुला ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। कोको के खिलाफ मेरा मुकाबला काफी उच्च स्तर का था और आज का मैच भी शानदार रहा।

कोस्त्युक की खेल शैली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, उनके खिलाफ खेलना काफी मुश्किल है, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगले पल क्या होने वाला है। वह अचानक तेज शाट खेलने लगती हैं, नेट पर आ जाती हैं, रिटर्न पर आक्रामक हो जाती हैं या उनकी सर्विस शानदार होने लगती है। यही वजह है कि उनके खिलाफ खेलना कठिन होता है।

दूसरे सेट में पेगुला ने दिखाया धैर्य

32 वर्षीय पेगुला ने पहले सेट में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले और सातवें गेम में कोस्त्युक की सर्विस तोड़कर सेट 6-2 से जीत लिया।

दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक हो गया। शुरुआत में लगातार चार बार सर्विस ब्रेक हुईं। इसके बाद कोस्त्युक ने अपनी सर्विस बचाते हुए 3-2 की बढ़त बना ली। अगले गेम में यूक्रेनी खिलाड़ी के पास पेगुला की सर्विस तोड़ने का मौका था, लेकिन वह ब्रेक प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सकीं। पेगुला ने सर्विस बचाकर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद अगले चार गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी। निर्णायक मोड़ 11वें गेम में आया, जब पेगुला ने कोस्त्युक की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने चौथे ब्रेक प्वाइंट पर सफलता हासिल करते हुए 6-5 की बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस बचाकर मुकाबला जीत लिया। कोस्त्युक के फोरहैंड शाट के कोर्ट से बाहर जाने के साथ ही पेगुला की जीत पक्की हो गई।